चतुर्थ अध्याय

Regional Institute of Education
LIBRARY
Bhopal

अध्याय-चतुर्थ

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

प्रस्तावना

शोधकार्य का मुख्य ध्येय किसी समस्या विशेष के संबंध में महत्वपूर्ण निष्कर्ष निकालना होता है तथा महत्वपूर्ण निष्कर्षों को निकालने के लिए प्रदत्तों का सांख्यिकीय विधियों से विश्लेषण करना आवश्यक होता है। किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए आँकड़ों को सारणी में प्रदर्शित करना होता है जिससे अवलोकनकर्ता एक ही दृष्टि में सारणी को देखकर शोधकार्य के निष्कर्ष के बारे में अवगत हो जाता है।

प्रस्तुत शोधकार्य में भी यही किया गया है, ताकि महत्वपूर्ण निष्कर्ष निकाले जा सकें। प्रदतों का विश्लेषण एवं निर्वचन किया जा सके। प्रस्तुत अध्ययन में चयनित उपकरणों के माध्यम से अध्ययन हेतु चुने गये न्यादर्श द्वारा प्रदत्तों का संकलन किया गया। तत्पश्चात् प्राप्त प्रदत्तों का विश्लेषण तथा व्याख्या इस अध्याय में किया गया। सभी परिकल्पनाओं का परीक्षण उपयुक्त सांख्यिकी विधियों का उपयोग करके किया गया। प्रत्येक परिकल्पना का अध्ययन भी समस्या के संदर्भ में व्याख्या द्वारा किया गया। अध्ययन हेतु कुल 8 (आठ) परिकल्पना का चयन किया गया। तथा क्रमानुसार प्रत्येक परिकल्पना को विश्लेषण के आधार पर प्राप्त परिणामों को इस अध्याय में दर्शाया गया। परिणामों की स्पष्टता के लिए उचित ग्राफ भी प्रदर्शित किया गया।

जे.एच. पाईनकर कहते हैं कि ''एक मकान का निर्माण पत्थरों से होता है, किन्तु पत्थरों के ढेर से नहीं वरन् जटिल पत्थरों को सुव्यवस्थित रूप से होता है। वैज्ञानिक तथ्य का निर्माण भी तथ्यों के संकलन उपरान्त उचित विश्लेषण तथा व्याख्या द्वारा होता है।''

पी.व्ही. यंग कहते हैं कि ''संकलित तथ्यों के उचित संस्थिति संबंधों के रूप में व्यवस्थित कर विचार पूर्ण आधारशिला की स्थापना करना ही विश्लेषण है, अर्थात् विश्लेषण शोध का सृजनात्मक पक्ष है।''

$H0_1$ प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों में लिंग के आधार पर मूल्यों में सार्थक अंतर नहीं है।

इस अध्ययन में शोधकर्ता ने छः मूल्यों का अध्ययन किया है। सुविधापूर्वक प्रमाणित करने हेतु परिकल्पना को छः भागों में विभाजित किया है। सभी प्रमाणित परिकल्पनाओं को निम्न तालिका में दर्शाया गया है।

तालिका 4.1 : शिक्षकों के लिंग के आधार पर अलग-अलग मूल्यों के बारे में (टी) t की सार्थकता:-

मूल्य	लिंग	Mean	SD	N	df	t	sig.
सैद्धान्तिक	पुरूष	90.99	13.00	81			
	स्त्री	88.78	10.55	40	119	.935	.352
आर्थिक	पुरूष	84.47	12.20	81			
	स्त्री	85.25	8.35	40	119	.364	.716
सौन्दर्यात्मक	पुरूष	81.96	14.13	81			
	स्त्री	82.00	10.70	40	119	.015	.988
सामाजिक	पुरूष	97.05	14.38	81			
	स्त्री	95.60	14.01	40	119	.526	.600
राजनैतिक	पुरूष	79.53	12.56	81			
	स्त्री	80.40	15.02	40	119	.331	.742
धार्मिक	पुरूष	90.98	15.98	81			
	स्त्री	93.23	16.96	40	119	.714	.477

तालिका 4.1 देखने पर ज्ञात होता है कि शिक्षकों का लिंग के आधार पर सैद्धान्तिक, आर्थिक, सौन्दर्यात्मक, सामाजिक, राजनैतिक एवं धार्मिक मूल्येां के टी के मान में 0.05 स्तर पर सार्थक अंतर नहीं है। इसलिए परिकल्पना स्वीकृत की जाती है। इस प्रकार पुरूष शिक्षकों एवं स्त्री शिक्षकों में उपरोक्त छः मूल्यों में सार्थक अंतर नहीं है।

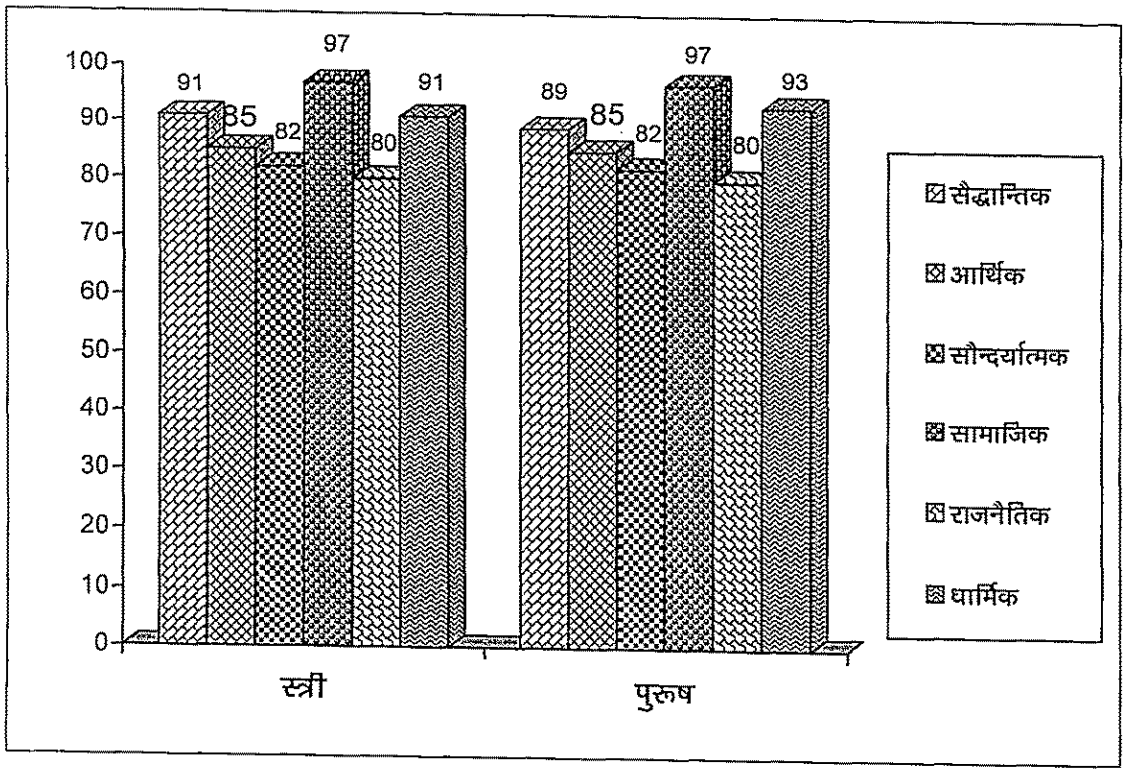

प्राथमिक शिक्षकों का लिंग के आधार पर अलग-अलग मूल्यों का ग्राफ

$H0_2$ प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों में क्षेत्र के आधार पर मूल्यों में सार्थक अंतर नहीं है।

इस संशोधन में शोधकर्ता ने छः मूल्यों का अध्ययन किया है। सुविधापूर्वक प्रमाणित करने हेतु परिकल्पना को छः भागों में विभाजित किया है। सभी प्रमाणित परिकल्पनाओं को निम्न तालिका में दर्शाया गया है।

तालिका 4.2 : शिक्षकों में क्षेत्र के आधार पर अलग-अलग मूल्यों के बारे में टी t की सार्थकता :-

मूल्य	क्षेत्र	Mean	SD	N	df	t	sig.
सैद्धान्तिक	ग्रामीण	90.01	12.08	79			
	शहरी	90.71	12.67	42	119	.299	.765
आर्थिक	ग्रामीण	83.92	11.95	79			
	शहरी	86.24	9.06	42	119	1.098	.275
सौन्दर्यात्मक	ग्रामीण	81.73	14.25	79			
	शहरी	82.43	10.58	42	119	.278	.782
सामाजिक	ग्रामीण	96.97	13.84	79			
	शहरी	95.81	15.06	42	119	.428	.670
राजनैतिक	ग्रामीण	80.39	13.55	79			
	शहरी	78.74	13.66	42	119	.638	.525
धार्मिक	ग्रामीण	91.94	15.86	79			
	शहरी	91.31	17.23	42	119	.201	.841

तालिका 4.2 : देखने पर ज्ञात होता है कि शिक्षकों में क्षेत्र के आधार पर सैद्धान्तिक, आर्थिक, सौन्दर्यात्मक, सामाजिक, राजनैतिक एवं धार्मिक मूल्यों के टी के मध्यमान के 0.05 स्तर पर सार्थक अंतर नहीं है। इसलिए परिकल्पनाएँ स्वीकृत की जाती है। इस प्रकार ग्रामीण एवं शहरी शिक्षकों में उपरोक्त छः मूल्यों में सार्थक अंतर नहीं है। इससे ज्ञात होता है कि क्षेत्र का शिक्षकों के मूल्यों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

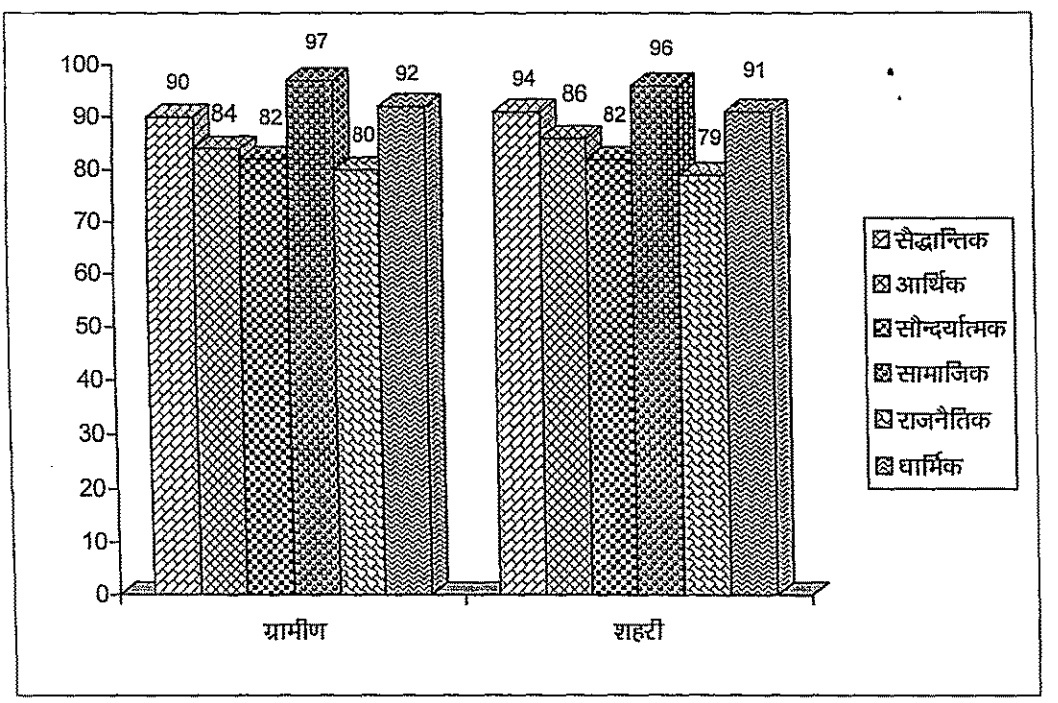

प्राथमिक शिक्षकों का क्षेत्र के आधार पर अलग-अलग मूल्यों का ग्राफ

$H0_3$ प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों में उम्र के आधार पर मूल्यों में सार्थक अंतर नहीं है।

इस अध्ययन में शोधकर्ता ने छः मूल्यों का अध्ययन किया है। सुविधापूर्वक प्रमाणित करने हेतु परिकल्पना को छः भागों में विभाजित किया है। सभी प्रमाणित परिकल्पनाओं को निम्न तालिका में दर्शाया गया है।

तालिका 4.3 : शिक्षकों की उम्र के आधार पर प्रसरण विश्लेषण (F)

मूल्य		Some of Squares	df	Mean Square	F	sig.
सैद्धान्तिक	Between Groups	136.162	2	68.081	.450	.639
	Within Groups	17842.896	118	151.211		
	total	17979.058	120			
आर्थिक	Between Groups	74.318	2	37.159	.301	.743
	Within Groups	14577.682	118	123.540		
	total	14652.000	120			
सौन्दर्यात्मक	Between Groups	5.813	2	2.906	.017	.983
	Within Groups	20433.113	118	173.162		
	total	20438.926	120			
सामाजिक	Between Groups	1429.131	2	714.565	3.692	.028
	Within Groups	22840.522	118	193.564		*
	total	24269.653	120			
राजनैतिक	Between Groups	229.018	2	114.509	.619	.540
	Within Groups	21814.982	118	184.873		
	total	22044.000	120			
धार्मिक	Between Groups	689.395	2	344.698	1.308	.274
	Within Groups	31101.051	118	263.568		
	total	31790.446	120			

*p<.05

तालिका 4.3 देखने पर ज्ञात होता है कि शिक्षकों की विभिन्न उम्र के आधार पर सामाजिक मूल्य के एफ का मान 0.05 स्तर पर सार्थक है। इसलिए परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है। विभिन्न उम्र वाले शिक्षकों में सामाजिक मूल्य में सार्थक अंतर पाया गया है। इस प्रकार सामाजिक मूल्य में विभन्न उम्र वाले शिक्षकों का प्रभाव देखने को मिला।

शिक्षकों का विभिन्न उम्र के आधार पर सैद्धान्तिक, आर्थिक, सौन्दर्यात्मक, राजनैतिक एवं धार्मिक मूल्यों के एफ के मान में 0.05 स्तर पर सार्थक अंतर नहीं है। इसलिए परिकल्पनाएं स्वीकृत की जाती है। विभिन्न उम्र वाले शिक्षकों में सार्थक अंतर नहीं पाया गया। इस प्रकार शिक्षकों के उपरोक्त पाँच मूल्यों में विभिन्न उम्र वाले शिक्षकों का प्रभाव देखने को नहीं मिला। उपरोक्त विश्लेषण से ज्ञात होता है कि उम्र का मूल्यों पर प्रभाव नहीं पड़ता।

$H0_1$ प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों में विद्यालयों के प्रकार के आधार पर मूल्यों में सार्थक अंतर नहीं है।

इस संशोधन में शोधकर्ता ने छः मूल्यों का अध्ययन किया है। सुविधापूर्वक प्रमाणित करने हेतु परिकल्पना को छः भागों में विभाजित किया है। सभी प्रमाणित परिकल्पनाओं को निम्न तालिका में दर्शाया गया है।

तालिका 4.4 : विद्यालयों के प्रकार के आधार पर प्रसरण विश्लेषण (F) :

मूल्य		Some of Squares	df	Mean Square	F	sig.
सैद्धान्तिक	Between Groups	451.180	2	225.590	1.519	.223
	Within Groups	17527.878	118	148.541		
	total	17979.058	120			
आर्थिक	Between Groups	149.001	2	74.501	.606	.547
	Within Groups	14502.999	118	122.907		
	total	14652.000	120			
सौन्दर्यात्मक	Between Groups	53.058	2	26.529	.154	.858
	Within Groups	20385.868	118	172.762		
	total	20438.926	120			
सामाजिक	Between Groups	615.140	2	307.570	1.534	.220
	Within Groups	23654.513	118	200.462		
	total	24269.653	120			
राजनैतिक	Between Groups	914.215	2	457.107	2.553	.082
	Within Groups	21129.785	118	179.066		
	total	22044.000	120			
धार्मिक	Between Groups	508.245	2	254.122	.959	.386
	Within Groups	31282.202	118	265.103		
	total	31790.446	120			

शिक्षकों का विद्यालय के प्रकार के आधार पर सैद्धान्तिक, आर्थिक, सौन्दर्यात्मक, सामाजिक, राजनैतिक, धार्मिक मूल्यों के एफ के मान में 0.05 स्तर पर सार्थक अंतर नहीं है। इसलिए परिकल्पनाएं स्वीकृत की जाती है। विभिन्न प्रकार के विद्यालयों के शिक्षकों में उपरोक्त छः मूल्यों में सार्थक अंतर नहीं पाया गया। इस प्रकार शिक्षकों के उपरोक्त छः मूल्यों में विभिन्न प्रकार के विद्यालयों का प्रभाव देखने को नहीं मिला। अतः इस विश्लेशण से ज्ञात होता है कि विद्यालय के प्रकार का मूल्यों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

$H0_5$ प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों में अनुभव के आधार पर मूल्यों में सार्थक अंतर नहीं है।

इस अध्ययन में शोधकर्ता ने छः मूल्यों का अध्ययन किया है। सुविधापूर्वक प्रमाणित करने हेतु परिकल्पना को छः भागों में विभाजित किया है। सभी प्रमाणित परिकल्पनाओं को निम्न तालिका में दर्शाया गया है।

तालिका 4.5 : शिक्षकों के अनुभव के आधार पर प्रसरण विश्लेषण (F) :

मूल्य		Some of Squares	df	Mean Square	F	sig.
सैद्धान्तिक	Between Groups	544.849	2	272.425	1.844	.163
	Within Groups	17434.208	118	147.748		
	total	17979.058	120			
आर्थिक	Between Groups	78.011	2	39.006	.316	.730
	Within Groups	14573.989	118	123.508		
	total	14652.000	120			
सौन्दर्यात्मक	Between Groups	46.315	2	23.158	.134	.875
	Within Groups	20392.611	118	172.819		
	total	20438.926	120			
सामाजिक	Between Groups	80.987	2	40.494	.198	.827
	Within Groups	24188.665	118	204.989		
	total	24269.653	120			
राजनैतिक	Between Groups	140.064	2	70.032	.377	.687
	Within Groups	21903.936	118	185.627		
	total	22044.000	120			
धार्मिक	Between Groups	1068.404	2	534.202	2.052	.133
	Within Groups	30722.042	118	260.356		
	total	31790.446	120			

शिक्षकों का विभिन्न अनुभव के आधार पर सैद्धान्तिक, आर्थिक, सौन्दर्यात्मक, सामाजिक, राजनैतिक एवं धार्मिक मूल्यों के एफ के मान में 0.05 स्तर पर सार्थक अंतर नहीं है। इसलिए परिकल्पना स्वीकृत की जाती है। विभिन्न अनुभव वाले शिक्षकों में उपरोक्त छः मूल्यों में सार्थक अंतर नहीं पाया गया। इस प्रकार शिक्षाकों के उपरोक्त छः मूल्यों में विभिन्न अनुभव का प्रभाव देखने को नहीं मिला। अतः इससे ज्ञात होता है कि शिक्षक के अनुभव का मूल्यों पर कोई भी प्रभाव नहीं पड़ता।

$H0_6$ प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों में आय के आधार पर मूल्यों में सार्थक अंतर नहीं है।

इस संशोधन में शोधकर्ता ने छः मूल्यों का अध्ययन किया है। सुविधापूर्वक प्रमाणित करने हेतु परिकल्पना को छः भागों में विभाजित किया गया है। सभी प्रमाणित परिकल्पनाओं को निम्न तालिका में दर्शाया गया है।

तालिका 4.6 शिक्षकों की आय के आधार पर प्रसरण विश्लेषण (F) :

मूल्य		Some of Squares	df	Mean Square	F	sig.
सैद्धान्तिक	Between Groups	579.203	2	289.601	1.964	.145
	Within Groups	17399.855	118	147.456		
	total	17979.058	120			
आर्थिक	Between Groups	153.045	2	76.523	.623	.538
	Within Groups	14498.955	118	122.872		
	total	14652.000	120			
सौन्दर्यात्मक	Between Groups	290.087	2	145.044	.849	.430
	Within Groups	20148.838	118	170.753		
	total	20438.926	120			
सामाजिक	Between Groups	9.135	2	4.568	.022	.978
	Within Groups	24260.518	118	205.598		
	total	24269.653	120			
राजनैतिक	Between Groups	78.943	2	39.472	.212	.809
	Within Groups	21965.057	118	186.145		
	total	22044.000	120			
धार्मिक	Between Groups	321.594	2	160.797	.603	.549
	Within Groups	31468.852	118	266.685		
	total	31790.446	120			

तालिका 4.6 देखने पर ज्ञात होता है कि शिक्षकों की विभिन्न आय के आधार पर सैद्धान्तिक आर्थिक, सौन्दर्यात्मक, सामाजिक, राजनैतिक एवं धार्मिक मूल्यों के एफ के मान में 0.05 स्तर पर सार्थक अंतर नहीं है। इसलिए परिकल्पना स्वीकृत की जाती है। विभिन्न आय वाले शिक्षकों में उपरोक्त छः मूल्यों में सार्थक अंतर नहीं पाया गया। इस प्रकार शिक्षकों के उपरोक्त मूल्यों में विभिन्न आय का प्रभाव देखने को नहीं मिला। अतः शोध के आधार पर यह ज्ञात होता है कि आय का शिक्षकों के मूल्य पर कोई भी प्रभाव नहीं पड़ता है।

शोध सारांश

प्रस्तुत शोध कार्य में प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के मूल्यों का अध्ययन किया गया है। इस शोधकार्य में अध्यायपकों के मूल्यों का अध्ययन लिंग (स्त्री–पुरुष), क्षेत्र (ग्रामीण एवं शहरी) उम्र, विद्यालय के प्रकार (शासकीय, अशासकीय, अर्धशासकीय), अनुभव और आय के आधार पर किया गया है। अध्ययन के विश्लेषण से यह ज्ञात होता है कि केवल उम्र के आधार पर अलग–अलग मूल्यों के बारे में जॉच करने पर सामाजिक मूल्य का प्रभाव सार्थक (F=3.692 और सार्थकता स्तर .028 मिलता है) दिखाई देता है यानी 0.05 स्तर पर सामाजिक मूल्य में सार्थक अन्तर है। अन्य कोई भी मूल्यों में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया। इससे हम कह सकते है कि शिक्षकों के मूल्यों पर लिंग, क्षेत्र, विद्यालय के प्रकार, अनुभव और आय का कोई भी प्रभाव नही पड़ता है। और उम्र का भी केवल सामाजिक मूल्य पर ही प्रभाव पड़ता है। अतिरिक्त पांच मूल्यों सैद्धान्तिक, आर्थिक, सौदर्यात्मक, राजनैतिक और धार्मिक मूल्यों पर कोई प्रभाव नही पड़ता है। संक्षिप्त में हम यह कह सकते है कि शिक्षको के मूल्यों पर किसी बाहरी वातावरण का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।